

(c) Indian population census figures do not agree with those quoted in the W.H.O. Press Release. According to the census the population of Greater Bombay in 1961 was 2.46 times the population in 1941. The population of Delhi (Delhi Municipal Corporation, New Delhi and Delhi Cantonment) in 1961 was 3.39 times the population in 1941.

(d) According to available figures, 8.4 per cent of the migrants to Greater Bombay and 34.1 per cent to Delhi are from outside India (including Pakistan).

मोतीनगर, दिल्ली में झुगियों में धाग

4184. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री प्रकाशवीर शात्री :
श्री बड़े :

क्या निर्मा 1, आवास तथा नगरीय विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 29 मार्च, 1966 को मोतीनगर, दिल्ली में झुगियां में धाग लग जाने के कारण 30 हजार रुपये का नुकसान हुआ था;

(ख) इस धाग के परिणामस्वरूप कितनी झुगियां जल गई थीं;

(ग) क्या सरकार ने उन्हें कोई सहायता प्रदान की है; और

(घ) यदि हां, तो किस रूप में ?

निर्माण आवास तथा नगरीय विकास मंत्री (श्री मोहन चन्द लाला): (क) जी हां; 28-29 मार्च, 1966 की रात को धाग लग गयी थी। नुकसान नहीं आका गया है।

(ख) 22 झुगियां क्षतिग्रस्त हुईं जिनमें 6 प्राथमिक रूप से हैं।

(ग) और (घ). नगर निगम दिल्ली ने धाग से पीड़ित प्रत्येक परिवार को तुरन्त सहायता के रूप में 25 रुपये दिये।

Gauhati Thermal Power Project

4185. श्री P. C. Borooah: Will the Minister of Irrigation and Power be pleased to state:

(a) whether provision has been made for the setting up of Gauhati Thermal Power Project under the fourth yen credit from Japan;

(b) if so, the steps taken for the installation of the plant; and

(c) when it is likely to be completed?

The Minister of Irrigation and Power (Shri Fakhruddin Ahmed): (a) Yes. A provision of \$ 1.885 million (Rs. 89.75 lakhs) has been made under the Fourth Yen Credit for the Gauhati Thermal Power Project.

(b) Orders for the equipment have been placed with Japanese suppliers. The site for the power station has been selected at Chandrapura near Gauhati and acquisition of land and other preliminary works are in progress.

(c) The generating set is likely to be commissioned in 1968-69.

जाली नोट

4186. श्री श्रींकार लाल बेरवा :
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सम्पूर्ण देश में अनेक गिराव सक्रिय रूप में जाली नोट छाप रहे हैं तथा उन्हें बेच रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो उनका पता लगाने के लिये क्या उपाय किये गये हैं;

(ग) पिछले वर्ष सरकार ने जाली नोटों के कितने मामलों का पता लगाया; और

(घ) सम्बन्धित व्यक्तियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई ?

वित्त मंत्री (श्री शाहीन चौधरी) :

(क) से (घ). जाली करेसी नोट और बैंक